सं धो०वि०/एफ०डी०/170-86/47455.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० इंडियन हार्डवेयर इण्डस्ट्रीज लि०, 66 बी, इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, फरीदांबाद, के श्रमिक श्री ग्रमृत लाल, पुत्र श्री पदम सिंह, गांव भुगापुर, तहसीन व जिना फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई मौद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेत निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, श्रीबोगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित श्रीद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामलें जो कि उक्त प्रजन्मकों तथा अभिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है श्रिमाम है व्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते है:—

क्या श्री श्रमृत लाल की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा शैंक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो विव /एफ बी । / 98-86 / 47462 — चूंनि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं करत्म इलैक्ट्रोकल, प्लाट नं 114, सैक्टर-6, फरीदाबाद, के श्रीपक श्री मदन लाल, पुत्र श्री रामदेव महतो, सरूप बेनीवाल की पुरानी कोठी सीही, सैक्टर-8, फरीदाबाद, तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायान गंय हेतु निविष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शानितयों का प्रयोग करतें हुये हैं दियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धित मामले जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा अभिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेंतु निर्दिष्ट करते हैं:--

क्या श्री मदन लाल की छंटनी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० श्रो० वि०/एफ०डी०/125-86/47469 -- बूं कि हरियाणा के राज्यवाल की राय है कि मै० श्राटो ग्लाईड प्रा० जिल, प्लाट 64, मैक्टर-6, फरोदाबाद, के श्रमिक श्रो प्रतार तिह, पुत्र श्रो खिन्तू राम, निवासो वास मोहल्ला पलवल, जिला फरोदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

और चूंकि इरिशाणा के राज्यशाल इस विवाद को न्यायनिर्गत हेतु निरिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिमे, अन्न, श्रौद्योगिक विवाद श्रवितियम, 1947, की घारा 10 की खग्बारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुयें हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उकत श्रधितियम की धारा 7-क के श्रधीन गठित श्रोद्योगिक श्रिध-करण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धिट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले है अभवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायिनिर्गय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :--

क्या श्री फ्रेंताप सिंह की सेंबा समाप्त की गई है या उसने स्त्रयं त्याग-पत्र देकर नौकरो छोड़ी है? इस बिन्दू पर निर्णय के फबरवरूप वह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 17 दिसम्बर, 1986

सं• त्रो• वि•/एफ•डी•/15-86/47606.—-चूंकि हरियाणा के राज्यवाल की राय है कि मैं• इन्हों लावन वरू बरेबरीज सि•, 13/1, मुखुरा रोड़, फरीदाबाद, के श्रीमिक श्री जगदीन सिंह, पुत श्री इनल सिंह, गांव मुरादगढ़ी, डा० वत्रका, जिता बुजन्दफहर (स्•पी•) समा ससके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामलें के संबन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

और चूंकि इरिवाणा के राज्यवाल इस विवाद की त्यायनिर्णय हेलु निर्दिष्ट करना वांछनीन समझते हैं ;

इब्राखिन, अव, औंबॉनिक विवाद अधिनियम, 1947, की घारा 10 की उत्यारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई भिक्तियों का प्रयोग करने हुने हरिजाणा के राज्यवाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित प्रौद्योगिक प्रधिकरण, हरिजाणा, फरीदानाद, को नीने विनिर्दिष्ट मामलों जो कि उक्त प्रवन्धकों बया श्रीक के बीन का बो विवाद प्रस्त मामला/मामलें हैं अभवा विवाद के सुवान का सम्बन्धित मामला/मामलें हैं न्यायनिर्गय एवं बंचाट तोन मास में देने हैं हुन विदिष्ट करते हैं :—

क्या औं जगदीश सिंह की सेवां मों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?